कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (16) खण्ड -{31}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- वह जिस्मानी नॉलेज जैसे .....है, यह है सच्चा..... ?

A- वॉल्यूम, गीता ज्ञान

B- घी, घासलेट

C- घासलेट, घी

D- महाभारत, गीता ज्ञान

प्रश्न 2- जो हड़डी सर्विस करेंगे वह क्या बनेंगे ?

A- महाराजा

B- राजकुमार

C- महाराजकुमार

D- विश्व महाराजन

प्रश्न 3- कर्म करते स्वयं को....समझ एक मुझ.....को याद करो ?

A आत्मा, परमात्मा

B- आशिक, माशूक़्

C- बिंदु, बिंदु

D- परवाना, शमा

प्रश्न 4- जन्म जन्मांतर के जो पाप हैं जिसके कारण कट चढ़ी हुई है,वह सब कैसे निकलेगी ?

A- दृष्टि और वृत्ति को पवित्र बनाने से

B- ज्ञान का मंथन करने से

C- पुण्य का खाता बढ़ाने से

D- बाप की याद में रहने से

प्रश्न 5- तुम चिट्ठी कैसे लिखते हो ?

A- टू शिव बाबा

B- टू ब्रह्मा बाबा

C- टू शिव बाबा केयर ऑफ ब्रह्मा

D- टूब्रह्मा बाबा केयर ऑफ शिव बाबा

प्रश्न 6- शिव बाबा ने हमको गोद मे लेकर कौनसा बच्चा बनाया है ?

A- मीठा बच्चा

B- सिकीलधा बच्चा

C- धर्म का बच्चा

D- प्यारा बच्चा

प्रश्न 7- बाप किसलिए आया है ?

A- मिलन मनाने

B- साथ ले जाने

C- देही- अभिमानी बनाने

D- स्वयं का परिचय देने

प्रश्न 8- मौत के पहले कौन सा पुरुषार्थ करना है ?

A- पूरी पढ़ाई पढ़ने का

B- याद में रहने का

C- अपना सब कुछ सफल करने का

D- तन मन धन से सेवा करने का

प्रश्न 9- बाबा ने किसके मुआफ़िक मुट्ठी बन्द मत करने को कहा ?

A- चींटी

B- बन्दर

C- बादशाह

D- बच्चे

प्रश्न 10- पुरूषार्थ में आगे नम्बर कौनसे बच्चे लेते हैं ?

A- जो निश्चय बुद्धि होते हैं।

B- जो पूरा पूरा बलि चढ़ते हैं।

C- जो न्यारा प्यारा रहते हैं।

D- जो याद और सेवा का बैलेंस रखते हैं

प्रश्न 11- बाप को याद करने से क्या बन जायेंगे ?

A- नर से नारायण

B- तमोप्रधान से सतोप्रधान

C- पतित से पावन

D- देही- अभिमानी

प्रश्न 12- निराकार टीचर बन किसको पढ़ाता है?

A- बच्चों को

B- टीचर को

C- आत्माओं को

D- सालिग्रामों को

प्रश्न 13- महारथी को भी कौन मूर्छित कर देती है ?

A- माया

B- असंतुष्टता

C- छोटी चींटी

D- मुश्किल बनाने की आदत

प्रश्न 14- कई बच्चों की जन्मपत्री में क्या होता है ?

A- रहम- ही -रहम

B- लापरवाही- डोंटकेयर

C- सरकमस्टॉश प्रमाण

D- सहज पालना की श्रेष्ठ स्थिति

प्रश्न 15- सर्वश्रेष्ठ पोजीशन कौन सी है ?

A- हमें भगवान स्वयं पढ़ाता है।

B- हम ऑलमाइटी अथॉरिटी के बच्चे हैं।

C- हम आत्माओं का कल्याण करने वाली अथॉरिटी स्वरूप है।

D- हम शान्ति के सागर के बच्चे हैं।

प्रश्न 16- किसका स्नेह एक- दो से ज्यादा है?

A- ब्रह्मा माँ- बच्चों का

B- बाप- बच्चों का

C- भाई- भाई का

D- ब्राह्मण परिवार का

भाग (16) खण्ड {31} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1. C- घासलेट, घी

वह जिस्मानी नॉलेज जैसे घासलेट है, यह है सच्चा घी। तो रात-दिन का फर्क है ना। रावण राज्य में तुमको घासलेट खाना पड़ता है। आगे इतना सस्ता सच्चा घी मिलता था, फिर महंगा हो गया तो घासलेट (तेल) खाना पड़ा।

उत्तर 2. C- महाराजकुमार

जब कहते हैं हम बाबा से वर्सा लेने आये हैं तो वह नशा क्यों नहीं चढ़ता! स्वीट होम, स्वीट राजधानी भूल जाती है। बाबा जानते हैं *जो हड्डी सर्विस करते हैं वही महाराजकुमार बनेंगे।* तुमको यह नशा क्यों नहीं रहता है? क्योंकि याद में

नहीं रहते हैं। सर्विस में पूरा तत्पर नहीं रहते हैं। कभी तो सर्विस में उछल पड़ते, कभी ठण्डे हो जाते। यह हर एक अपने से पूछो - ऐसा होता है ना।

उत्तर 3. B- आशिक, माशूक़्

कर्म करते स्वयं को आशिक समझ एक मुझ माशूक को याद करो, याद से ही तुम पावन बन पावन दुनिया में जायेंगे।

उत्तर 4. D- बाप की याद में रहने से

यह पारलौकिक बाप ही कहते हैं - हे बच्चों। सब बच्चे सुन रहे हैं। न सिर्फ तुम बच्चे परन्तु सभी को कहते हैं। *बच्चे बाप की याद में रहो तो तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के जो पाप हैं, जिसके कारण कट चढ़ी हुई है, वह सब निकल जायेगी* और तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान बन जायेगी।

उत्तर 5. C- टू शिव बाबा केयर ऑफ ब्रह्मा

बाप खुद कहते हैं मैं इस पुराने तन में प्रवेश करता हूँ। यह भी पतित से पावन बन रहे हैं। यह किसने कहा? शिवबाबा ने। यह भी पावन बन रहे हैं। इनका भी मेरे साथ हिसाब-किताब है। इनके साथ कोई का हिसाब-किताब नहीं। *तुम चिट्ठी लिखते हो - शिवबाबा केअर आफ ब्रह्मा।* परन्तु माया ऐसी है जो निरन्तर याद करने नहीं देती है। बुद्धियोग घड़ी-घड़ी तोड़ देती है।

उत्तर 6. C- धर्म का बच्चा

तुमको सम्मुख बैठ बाप समझाते हैं। फिर भी नशा नहीं चढ़ता है। *ओहो! शिवबाबा ने हमको गोद में लिया है। धर्म का बच्चा बनाया है।* परन्तु सबको तो यहाँ पर नहीं रखेंगे ना। हजारों बच्चे हैं। सबको यहाँ कैसे रखेंगे, इतनी जगह कहाँ है! बाप कहते हैं - तुमको रहना अपने घर में ही है। बाप को याद करना है। सबसे मीठा जो बेहद का बाप है, उनके तुम बच्चे बने हो।

उत्तर 7. B- साथ ले जाने

बाबा आकर इस ब्रह्मा तन द्वारा पढ़ाते हैं। तो बच्चे भल कहाँ भी हों, किसी भी सेन्टर पर हों, जानते हो ज्ञान सागर पारलौकिक परमपिता परमात्मा से हमको जीवनमुक्ति का अथवा राजाई का वर्सा पाना है। अगर हम पढ़ाई छोड़ देंगे तो वर्सा पा नहीं सकेंगे। *बाप तो आये हैं साथ ले जाने।* नई दुनिया स्थापन हो जायेगी फिर सबको खिवैया ले जायेंगे।

उत्तर 8. B- याद में रहने का

मौत के पहले जितना हो सके याद में रहने का पुरुषार्थ कर लो, इससे ही तुम्हारी कमाई है। मेरा बच्चा बनकर कभी भूल से भी कोई पाप कर्म नहीं करना। भल माया के कितने भी तूफान आयें लेकिन पतित तो कभी नहीं बनना।

उत्तर 9. B- बन्दर

बाबा बोले, बेगर बन जाओ तो फिर ऐसा प्रिन्स बनाऊंगा, साक्षात्कार करा दिया। ख्याल आया - अब यह क्या करेंगे। विनाश होना ही है। *बाबा ने कहा बन्दर मुआफिक मुट्ठी बन्द नहीं करो, खोल दो।* झट खोल दी। नहीं

तो इतने बच्चों का खर्चा कैसे चलता। बच्चू बादशाह, पीरू वजीर यह हो गया। एक को ही पैसे के लिए पकड़ लिया।

उत्तर 10. B- जो पूरा पूरा बलि चढ़ते हैं।

जो बाप पर पूरा-पूरा बलि चढ़ते हैं अर्थात् कुर्बान जाते हैं, सबसे आगे वही जाते। बाप पर बच्चे कुर्बान जाते और बच्चों पर बाप कुर्बान जाते। तुम अपना कखपन, पुराना तन-मन-धन बाप को देते और बाप तुम्हें विश्व की बादशाही देता इसलिए उसे गरीब निवाज़ कहा जाता है। गरीब भारत को ही दान देने बाप आये हैं।

उत्तर 11. B- तमोप्रधान से सतोप्रधान

बाप समझाते हैं मुझे याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। याद तो तुम बाप को भी करते हो, पति को भी करते हो। अब मैं तुम्हारा पतियों का पति, बापों का बाप हूँ, टीचर भी हूँ। मैं तुम्हारा सब कुछ हूँ।

उत्तर 12. D- सालिग्रामों को

तुम्हारी बुद्धि जानती है - *बाबा है निराकार, वह टीचर बनकर हम सालिग्रामों को पढ़ाते हैं।* कहते हैं बच्चों, हम फिर से तुमको विश्व का मालिक बनाने आया हूँ। 5 हजार वर्ष पहले भी तुम स्वर्ग के मालिक थे, याद है ना। संगम पर ही तुमको बनाया था।

उत्तर 13. C- छोटी चींटी

इन सब बातों का सहयोग ही सहजयोगी बना देता है। नहीं तो कभी छोटा सा सरकमस्टांश, साधन, समय, साथी आदि भले होते चींटी समान हैं लेकिन *छोटी चींटी महारथी को भी मूर्च्छित कर देती है।* मूर्च्छित अर्थात् वरदानों की सहज पालना की श्रेष्ठ स्थिति से नीचे गिरा देती है।

उत्तर 14. A- रहम- ही -रहम

अपने परिवार की कमी अपनी कमी होती है, इसलिए बाप को घृणा नहीं लेकिन रहम आता है। बापदादा कभी-

कभी बच्चों की आदि से अब तक की जन्मपत्री देखते हैं। *कई बच्चों की जन्मपत्री में रहम-ही-रहम होता है* और कई बच्चों की जन्मपत्री राहत देने वाली होती है। अपनी आदि से अब तक की जन्मपत्री चेक करो।

उत्तर 15. B- हम ऑलमाइटी अथॉरिटी के बच्चे हैं।

ऑलमाइटी अथारिटी के बच्चे हैं, यह भूल जाते हो। आजकल छोटी-मोटी अथॉर्टी रखने वाले कितनी खुमारी में रहते हैं। तो ऑलमाइटी अथारिटी वाले कितनी खुमारी में रहने चाहिए? शास्त्रवादी जो अपने को शास्त्रों की अथारिटी मानते हैं वह भी कितनी खुमारी में, कितना उल्टी नालेज के निश्चय में रहते हैं। किसने सुनाया, किसने देखा, कुछ भी पता नहीं। फिर भी शास्त्रों की अथॉरिटी मानने के कारण अपनी हार कभी नहीं मानेंगे। तो आप लोगों की सर्व से श्रेष्ठ अथॉरिटी है। ऐसे अथॉरिटी से किसके भी सामने जाओ तो सभी सिर झुकायेंगे।

उत्तर 16. B- बाप- बच्चों का

बाप का स्नेह और बच्चों का स्नेह दोनों एक-दो से ज्यादा ही है। स्नेह मन को और तन को अलौकिक पंख लगाए समीप ले आता है। स्नेह ऐसा रूहानी आकर्षण है जो बच्चों को बाप की तरफ आकर्षित कर मिलन मनाने के निमित्त बन जाता है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (16) खण्ड -{32}

प्रश्न 1- अभी तुम बच्चे जान गए हो कि हमको यहाँ ..... समझकर बैठना है ?

A- स्टूडेंट

B- आत्मा

C- बच्चा

D- भाई बहन

प्रश्न 2- आत्मा क्या है यह नही जानते तो फिर ..... को कैसे जानेंगे ?

A- सृष्टि चक्र

B- झाड़

C- ड्रामा

D- परमात्मा

प्रश्न 3- अपनी बुद्धि को किसमे बिजी रखने से सब फिकरातों से फारिग हो जाएंगे ?

A- पुरुषार्थ में

B- सेवा में

C- ज्ञान मंथन में

D- एक बाप की याद में

प्रश्न 4- जो अपने को शिव बाबा के यज्ञ का सर्वेंट समझते हैं उनकी निशानी क्या होगी?

A- देही अभिमानी होंगे

B- फरमानबरदार होंगे

C- वरफादार होंगे

D- जो बोलेंगे वो फौरन मान लेंगे

प्रश्न 5- कौन सी स्मृति से सहजयोग का अनुभव होगा ?

A- स्वमान

B- ईश्वरीय प्राप्ति

C- करनकरावनहार

D- मनमनाभाव

प्रश्न 6- इच्छाएं ..... के समान हैं आप पीठ कर दो तो पीछे पीछे आएंगी ?

A- परछाई

B- विष

C- माया

D- दुःख

प्रश्न 7- चलन खराब होगी तो ?

A- धारणा नही होगी

B- योग नहीं लगेगा

C- सौगुना दंड पड़ जायेगा

D- त्रेता में आ जाएंगे

प्रश्न 8- देहधारियों को याद करने से..... ?

A- दुःख मिलेगा

B- विकर्म बनेंगे

C- वर्सा नही मिलेगा

D- खुशी नही रहेगी

प्रश्न 9- दुनिया में किसी को क्या पता नहीं है ?

A- हमको कौन पढ़ाता है

B- हम शिवबाबा की सन्तान हैं

C- हम आत्मा है

D- भगवान निराकार हैं

प्रश्न 10- लक्ष्मी- नारायण तो क्या होकर गये ?

A- सबसे बड़े किंग- क्वीन

B- महाराजा- महारानी

C- फर्स्ट नम्बर प्रिन्स- प्रिन्सेज

D- राजा- रानी

प्रश्न 11- इस ज्ञान के सिवाय बाकी सब क्या है ?

A- व्यर्थ बातें

B- कलियुगी बातें

C- सत्यानाश करने वाली बातें

D- देह-दुनिया की बातें

प्रश्न 12- शरीर निर्वाह अर्थ तुमको धंधा आदि भी करना है और साथ साथ..... भी ?

A- बाबा को याद

B- ज्ञान का चिन्तन

C- रूहानी सर्विस

D- धारणा

प्रश्न 13- यहाँ किसकी मत पर चलना है ?

A- बाप की मत पर

B- टीचर की मत पर

C- गुरु की मत पर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- इनमें से कौन नही बोलते ?

A- शिव बाबा

B- ब्रह्मा

C- विष्णु

D- शंकर

प्रश्न 15- रावण का श्राप मिलने से उतरते हैं। उतरने में टाइम तो लगता है। कितनी सीढ़ी उतरनी पड़ती है ?

A- 62

B- 63

C- 21

D- 84

प्रश्न 16- इन लक्ष्मी नारायण को भी कहेंगे..... क्योंकि सारे

विश्व के मालिक हैं ?

A- भगवान

B- पवित्र

C- सर्वशक्तिमान

D- महाराजा महारानी

भाग (16) खण्ड {32} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *आत्मा*

रूहानी बच्चों प्रति रूहानी बाप समझा रहे हैं। *अभी तुम बच्चे जान गये हो कि हमको यहाँ आत्मा समझकर बैठना है।* सारी दुनिया में एक भी ऐसा मनुष्य नहीं होगा जो अपने को आत्मा समझते हो।

उत्तर 2 - D - *परमात्मा*

आत्मा क्या है, यही नहीं जानते तो परमात्मा को फिर कैसे जानेंगे। बाप द्वारा ही तुमको आत्मा की समझानी मिलती है कि मूल क्या चीज़ है।

उत्तर 3- C - *ज्ञान मंथन में*

अभी तुम मूलवतन, सूक्ष्मवतन और सतयुग से लेकर कलियुग तक सब राज़ों को जान गये हो। फिर भी बुद्धि में यह क्यों नहीं रहता! तुम भूल क्यों जाते हो? सदैव बुद्धि में यह टपकता रहे तो तुम खुशी में रहेंगे, फिकर से फारिग हो जायेंगे। .... *अपनी बुद्धि को ज्ञान मंथन में बिजी रखो तो सब फिकरातों से फारिग हो जायेंगे,* सदा खुशी बनी रहेगी"

उत्तर 4- D - *जो बोलेंगे वो फौरन मान लेंगे*

शिवबाबा इस ब्रह्मा मुख से जो कुछ बोलेंगे, उसे वह फौरन मान लेंगे। जो कहे - उसे मानना, इसको ही श्रीमत

कहा जाता है। श्री-श्री शिवबाबा की मत पर चलने से ही तुम श्रेष्ठ बनते हो। श्रेष्ठ बनना माना विजय माला में आना।

उत्तर 5- C - *करनकरावनहार*

करन-करावनहार की स्मृति द्वारा सहजयोग का अनुभव करने वाले सफलतामूर्त भव

कोई भी कार्य करते यही स्मृति रहे कि इस कार्य के निमित्त बनाने वाला बैकबोन कौन है। बिना बैकबोन के कोई भी कर्म में सफलता नहीं मिल सकती, इसलिए *कोई भी कार्य करते सिर्फ यह सोचो मैं निमित्त हूँ, कराने वाला स्वयं सर्व समर्थ बाप है। यह स्मृति में रख कर्म करो तो सहज योग की अनुभूति होती रहेगी।* फिर यह सहजयोग वहाँ सहज राज्य करायेगा। यहाँ के संस्कार वहाँ ले जायेंगे।

उत्तर 6- A - *परछाई*

सदा अपने मस्तक पर श्रेष्ठ भाग्य की लकीर देखते रहो - वाह मेरा श्रेष्ठ ईश्वरीय भाग्य! धन-दौलत का भाग्य नही,

ईश्वरीय भाग्य। इस भाग्य के आगे धन तो कुछ नहीं है, वह तो पीछे-पीछे आयेगा। जैसे परछाई होती है वह आपेही पीछे-पीछे आती है या आप कहते हो पिछे आओ । तो यह सब परछाई हैं लेकिन भाग्य है - 'ईश्वरीय भाग्य' । सदा इसी नशे में रहो - अगर पाना है तो सदा का पाना है। .....*इच्छायें परछाई के समान हैं आप पीठ कर दो तो पीछे-पीछे आयेंगी। *

उत्तर 7- A - *धारणा नही होगी*

चलन खराब होगी तो फिर धारणा नहीं होगी। किसको समझा नहीं सकेंगे। कदम आगे बढ़ाने का पुरुषार्थ करना चाहिए। पीछे नहीं आना चाहिए।सतयुग में खराब कुछ होता नहीं। बाप जब आकर ज्ञान देते हैं

उत्तर 8- B - *विकर्म बनेंगे*

प्रदर्शनी में सर्विस करने से बहुत खुशी होगी। सिर्फ बताना है कि बाप कहते हैं मुझे याद करो। *देहधारियों को याद करने से विकर्म बनेंगे।* वर्सा देने वाला मैं हूँ। मैं सबका

बाप हूँ।कर्म का हिसाब-किताब तो बच्चों को भोगना ही है । बाप कहते हैं इनसे मेरा कोई ताल्लुक नहीं है । ये तो तुम्हारे पाप किए हुए हैं या इस समय में भी कोई ऐसे पाप करते हो, इसलिए तुमको दुःख भोगना पड़ता है ।

उत्तर 9- B - *हम शिवबाबा की सन्तान हैं*

बड़े आदमी का बच्चा होगा तो जरूर बड़ा इम्तिहान पास करने का ख्याल होगा। तुम जानते हो हम बहुत बड़े बाप के बच्चे हैं। *दुनिया में किसको पता नहीं है - हम शिवबाबा की सन्तान हैं।* तुम बहुत बड़े ऊंच ते ऊंच बाप के बच्चे हो।

उत्तर 10 - A - *सबसे बड़े किंग- क्वीन*

बाबा आ करके हमको यह सारी नॉलेज सुनाते हैं, समझ भी चाहिए ना। किसको भी यही बात सुनाओ। यह चित्र है एम आब्जेक्ट। यह *लक्ष्मी-नारायण तो सबसे बड़े किंग क्वीन हो गये हैं।* भारत स्वर्ग था ना। कल की बात है। फिर इन्होंने यह राजगद्दी कैसे गँवाई।

उत्तर 11- C - *सत्यानाश करने वाली बातें*

बाबा परमधाम से आते हैं, हमको पढ़ाते हैं। सारा दिन आपस में यही रूह-रिहान होनी चाहिए। *सिवाए इस ज्ञान के बाकी सब हैं सत्यानाश करने वाली बातें।* .....बाप समझाते हैं - ईविल बात तो कभी भी सुननी नहीं चाहिए। कल्याण की बातें ही सुनो। नहीं तो मुफ्त अपनी सत्यानाश कर देंगे। बाप तो आकर तुम्हें ज्ञान ही सुनाते हैं।

उत्तर 12- C - *रूहानी सर्विस*

शरीर निर्वाह अर्थ तुमको धन्धा आदि भी करना है और साथ-साथ यह रूहानी सर्विस भी। .....दुनिया की बात अलग है, तुम्हारा तो एक-एक सेकेण्ड का टाइम बहुत वैल्युबुल है। तुम कभी भी ऐसी बातें नहीं सुनो, नहीं करो। इससे तो तुम बेहद के बाप को याद करो तो तुम्हारी बहुत कमाई है। जहाँ तहाँ बाप का परिचय जाकर दो। यही रूहानी सर्विस करते रहो।

उत्तर सं 13- D - *उपरोक्त सभी*

हम बहुत बड़े ते बड़े बाप के बच्चे हैं। बहुत बड़े सतगुरू की मत पर हम चलते हैं। टीचर की, गुरू की मत पर चलना होता है ना। उनको फालोअर कह देते हैं। *यहाँ बाप की मत पर भी चलना है, टीचर की मत पर भी चलना है, तो गुरू की मत पर भी चलना है।* तुम जानते हो वह हमारा बाप, टीचर, सतगुरू है। उनकी मत पर जरूर चलना है। यह तो एक ही है - ऊंच ते ऊंच है शिवबाबा, वह बोलते हैं।

उत्तर 14- D - *शंकर*

बाबा बच्चों से पूछते हैं शिवबाबा बोलते हैं, अच्छा शंकर बोलते हैं? ब्रह्मा बोलते हैं? विष्णु बोलते हैं? (किसी ने कहा शिव और ब्रह्मा बोलते हैं - विष्णु वा शंकर नहीं बोलते) विष्णु के दो रूप लक्ष्मी-नारायण कहते हो तो फिर क्या बोलते नहीं हैं? गूँगे हैं? विष्णु, लक्ष्मी-नारायण बोलते हैं? *शंकर नहीं बोलते हैं - वह ठीक है।* बाकी तीनों क्यों नहीं बोलेंगे। विष्णु के दो रूप लक्ष्मी-नारायण हैं तो जरूर बोलेंगे ना। मनुष्य शिवबाबा के लिए समझते होंगे कि वह निराकार

कैसे बोलेंगे। तुम बच्चे जानते हो शिवबाबा भी इसमें आकर बोलते हैं। ब्रह्मा को भी बोलना होता है। एडाप्टेड हैं ना।

उत्तर 15- D - *84*

हमने स्वर्ग में आधाकल्प राज्य किया फिर *रावण का श्राप मिलने से उतरते हैं। उतरने में टाइम तो लगता है। 84 पौढ़ी (सीढ़ी) उतरनी पड़ती हैं।* चढ़ती कला में पौढ़ियाँ तो हैं नहीं, अगर पौढ़ियां हों तो सेकेण्ड में जीवनमुक्ति कैसे कहा जाए? कहाँ तुमको 2500 वर्ष उतरने में लगते हैं और कहाँ तुम थोड़े ही वर्षों में चढ़ती कला में आ जाते हो।

उत्तर 16- C - *सर्वशक्तिमान*

बाप ही सर्वशक्तिमान् है। *इन लक्ष्मी-नारायण को भी कहेंगे सर्वशक्तिमान् क्योंकि सारे विश्व के मालिक हैं। *बाप ही पतित-पावन सर्वशक्तिमान् अथॉरिटी हैं, उनको वर्ल्ड आलमाइटी अथॉरिटी कहा जाता है ।